महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

मातृभाषा दिवस (21 फरवरी, 2018) के आयोजन की रिपोर्ट

अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस (21 फरवरी, 2018) के अवसर पर महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा में निबंध प्रतियोगिता और बहुभाषी कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। निबंध प्रतियोगिता में विद्यार्थियों को प्रतियोगिता स्थल पर ही निबंध लेखन का विषय दिया गया। विद्यार्थियों ने 'मातृभाषा और सृजनशीलता' विषय पर निबंध लिखा। निबंध प्रतियोगिता में कुल 58 विद्यार्थियों ने सहभागिता की। इस प्रतियोगिता के मूल्यांकन समिति में डॉ. अप्रमेय मिश्र, डॉ. अमित कुमार त्रिपाठी, डॉ. रामार्चा प्रसाद पांडेय ने सहभागिता की। मूल्यांकन समिति ने प्रथम पुरस्कार नील कुमार (एम.फिल. हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य), द्वितीय पुरस्कार सुश्री निवेदिता नायक (बी.एड. चतुर्थ सेमेस्टर), तृतीय पुरस्कार तिलोत्तमा (बी.एड. एम.एड. एकीकृत) और प्रोत्साहन पुरस्कार विकास कुमार (एम.फिल.) जनसंचार को प्रदान किया गया।

21 फरवरी, 2018 की सायंकाल को बहुभाषी कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस आयोजन में शिक्षकों, कर्मचारियों सहित 34 विद्यार्थियों ने सहभागिता की। इस कवि सम्मेलन के प्रतिभागियों ने अपनी मातृभाषा में स्वरचित कविता का पाठ किया। भोजपुरी, अवधी, मैथिलि,तेलुगु, राजस्थानी और पंजाबी सहित अनेक भाषाओं की कविताओं का पाठ किया गया। डॉ. रामानुज अस्थाना, श्री. संदीप कुमार वर्मा, डॉ. अप्रमेय मिश्र, डॉ. डेबे ने अपनी– अपनी मातृभाषा में काव्यपाठ प्रस्तुत किए। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में एडजंक्ट फैकल्टी डॉ अरुण कुमार त्रिपाठी और शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. गोपाल कृष्ण ठाकुर, डॉ. अशोक नाथ त्रिपाठी भी उपस्थित थे। प्रो. मनोज कुमार, प्रभारी कुलपति ने कवि सम्मेलन की अध्यक्षता की। आपने अपने अध्यक्षीय संबोधन में भाषायी विविधता के संरक्षण पर बल दिया।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
21 फरवरी 2018
बहुभाषी कवि सम्मेलन

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
21 फरवरी 2018
बहुभाषी कवि सम्मेलन

उपर्युक्त दोनों गतिविधियों के माध्यम से विश्वविद्यालय परिसर में मातृभाषाओं की विविधता इनमें प्रति संवेदनशीलता का विकास किया गया। इनके साथ ही मातृभाषा और सृजनशीलता के संबंध को भी विद्यार्थियों ने समझा।

विश्वविद्यालय के आयोजन का समन्वयन डॉ. ऋषभ कुमार मिश्र द्वारा किया गया। श्री धर्मेंद्र शंभरकर, डॉ. अप्रमेय मिश्र, डॉ. अमित त्रिपाठी, श्री कौशल किशोर, श्री समरजीत यादव, श्री कृष्णचंद्र पांडेय, श्री लेखराम दन्नाना, श्री रजत देशमुख, श्री बी.एस.मिरगे, श्री किशोर जाधव और राजदीप राठोर ने सक्रिय भूमिका निभाई।